

Shri Lakshmi Mantra



॥ श्रीलक्ष्मीमन्त्रः ॥

मगऱ- देवनागरी लिप्यन्तरम्



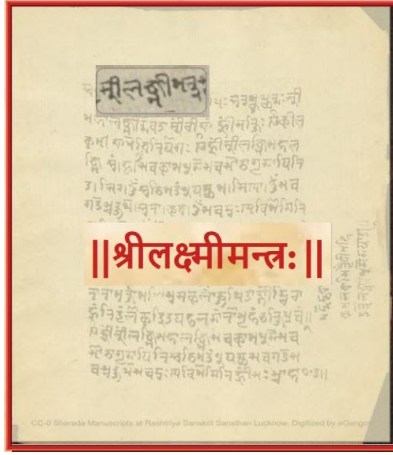
भुल मगऱ भंरुलभा

Sharada to Devanagari Transliteration

Manuscript	Shri Lakshmi Mantra, Sharada RSkt SJammu No38
------------	---

Shri Lakshmi Mantra

(By Group2 Sharda Manuscripts, Core Sharda Team)



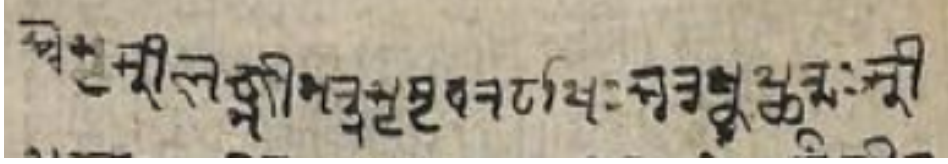
Original Book Details

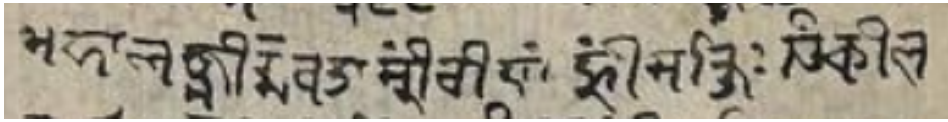
Title :	Shri Lakshmi Mantra
Identifier :	PrashnaGyanSharadaRSktSJammuNo38
Place :	Rashtriya Sanskrit Sansthan, Jammu
Topics :	Manuscripts
Pages :	2 (Found at the end of PrashnaGyan Manuscript)
Subject :	Hymns
Language :	Sanskrit
Script :	Sharada

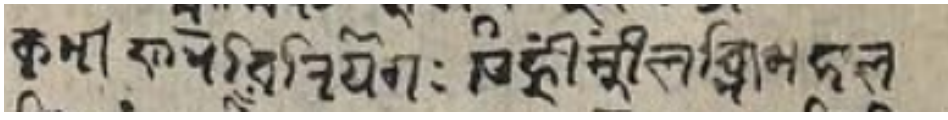
Sharada to Devanagari Transliteration

Manuscript	Shri Lakshmi Mantra, Sharada RSkt SJammu No38
------------	---

Date	9 th July 2020
------	---------------------------

L01.01	
A01.01	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19} अ स्य श्री ल क्ष्मी म न्त स्य च्य व न ऋ षिः अ नु ष्टु ष्छ न्दः श्री
B01.01	अस्य श्रीलक्ष्मीमन्त्रस्य च्यवनऋषिः अनुष्टुप्छन्दः श्री[-]

L01.02	
A01.02	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16} म हा ल क्ष्मी दे व ता श्रीं बी जं हीं श क्तिः ॐ की ल
B01.02	महालक्ष्मीदेवता श्रीं बीजं हीं शक्तिः ॐ कील[-]

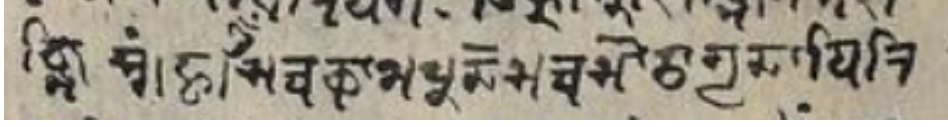
L01.03	
A01.03	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16} क म् ज पे वि नि यो गः ॐ हीं श्रीं ल क्ष्मि म हा ल
B01.03	कम्(कं) जपे विनियोगः < > ॐ हीं श्रीं लक्ष्मि महाल[-]

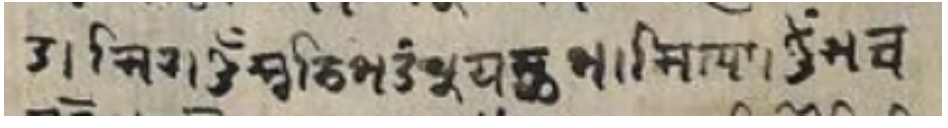
Notes	L01.01 - Sharada Lipi (Page - Line) A01.01 - Syllable by syllable (Devanagari) B01.01 - Syllables joined into words (Devanagari)
-------	--

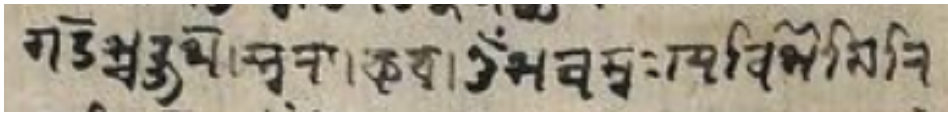
Sharada to Devanagari Transliteration

Manuscript	Shri Lakshmi Mantra, Sharada RSkt SJammu No38
------------	---

Date	9 th July 2020
------	---------------------------

L01.04	
A01.04	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18} क्षि अं ह ॐ सर्व का म प्र दे सर्व सौ भा ग्य दा यि नि
B01.04	क्षि अं[गुष्ठाभ्यां नमः] ह[दयाय नमः] ॐ सर्वकामप्रदे सर्वसौभाग्यदायिनि

L01.05	
A01.05	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17} त शि र ॐ अ भि म तं प्र य च्छ म शि खा ॐ सर्व
B01.05	त[र्जनीभ्यां स्वाहा] शिर[से स्वाहा] ॐ अभिमतं प्रयच्छ म[ध्यमाभ्यां वषट्] शिखा[यै वषट्] ॐ सर्व[-]

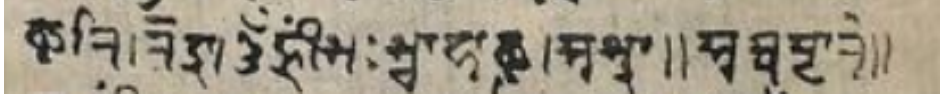
L01.06	
A01.06	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18} ग ते स्व रू पे अ ना क व ॐ सर्व दुः ख वि मो चि नि
B01.06	गते स्वरूपे अना[मिकाभ्यां हूं] कव[चाय हूं] ॐ सर्वदुःखविमोचिनि

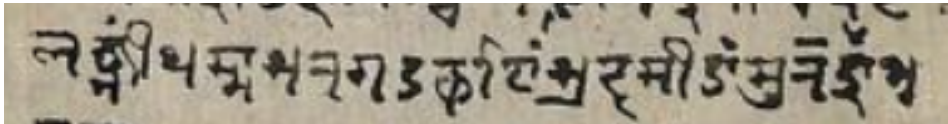
Notes	Words in [brackets] are expansions of the letters preceding them. Eg. Line B01.04 अं[गुष्ठाभ्यां नमः]
-------	--

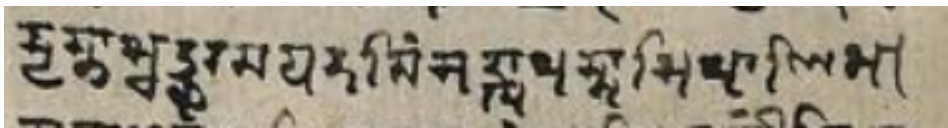
Sharada to Devanagari Transliteration

Manuscript	Shri Lakshmi Mantra, Sharada RSkt SJammu No38
------------	---

Date	9 th July 2020
------	---------------------------

L01.07	
A01.07	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16} क नि ने त्रा ॐ हीं सः स्वा हा क अ स्त्रा अ थ ध्या नं
B01.07	कनि[ष्ठिकाभ्यां वौषट्] नेत्रा[भ्यां वौषट्] ॐ हीं सः स्वाहा क[रतलकरपृष्ठाभ्यां फट्] अस्त्रा[य फट्] अथ ध्यानं

L01.08	
A01.08	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18} ल क्ष्मीं प द्वा स न ग त क टिं सूर्य शी तां शु ने त्राँ मु
B01.08	लक्ष्मीं पद्वासनगतकटिं सूर्यशीतांशुनेत्राँ(त्रा)मु[-]

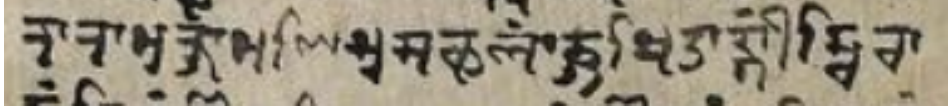
L01.09	
A01.09	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17} द्य द्वा स्व त्क र च य रु चिं श ड्-ख प द्वा सि पा णि म्
B01.09	द्यद्वास्वत्करचयरुचिं शड्-खपद्वासिपाणिम्

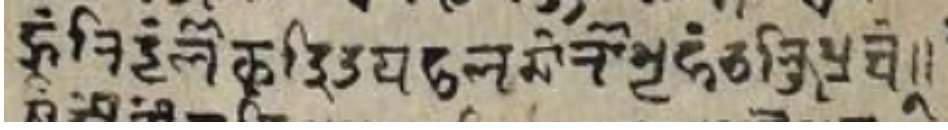


Notes	Words in [brackets] are expansions of the letters preceding them. Eg. Line B01.07 कनि[ष्ठिकाभ्यां वौषट्]
-------	---

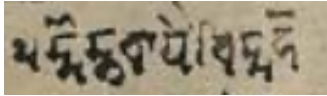
Sharada to Devanagari Transliteration


Manuscript	Shri Lakshmi Mantra, Sharada RSkt SJammu No38
------------	---

Date	9 th July 2020
------	---------------------------

L01.10	
A01.10	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16} ना ना मु क्ता म णि सु श क लां भू षि ता ङ्गी द्वि वा
B01.10	नानामुक्तामणिसुशकलां भूषिताङ्गीं द्विबा[-]

L01.11	
A01.11	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18} हुं नि त्यं लो क त्रि त य फ ल दां नौ म्य हं भ क्ति पू र्वं ॥ 
B01.11	हुं नित्यं लोकत्रितयफलदां नौम्यहं भक्तिपूर्व(र्वम्) ॥ 

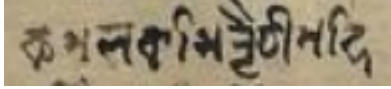
L01.11-P	
A01.11-P	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9} प द्मो ऽद्र वा यै वि द्म हे
B01.11-P	पद्मोद्द्रवायै विद्महे

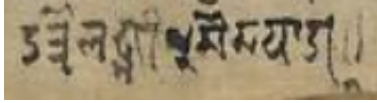


Notes	 → At the end of L01.11 and also at the end of lines found in the right margin are written as lines L01.11-P, L01.11-Q, L01.11-R .
-------	---

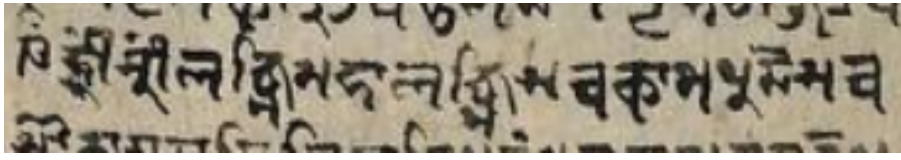
Sharada to Devanagari Transliteration


Manuscript	Shri Lakshmi Mantra, Sharada RSkt SJammu No38
------------	---

Date	9 th July 2020
------	---------------------------

L01.11-Q	
A01.11-Q	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9} क म ल वा सि न्यै धी म हि
B01.11-Q	कमलवासिन्यै धीमहि

L01.11-R	
A01.11-R	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9} त न्नो ल क्ष्मी प्र चो द या त् ॥ 
B01.11-R	तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात् ॥ 

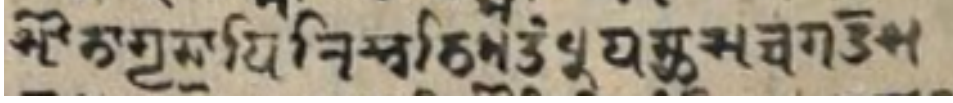
L01.12	
A01.12	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17} ॐ ह्रीं श्रीं ल क्ष्मि म हा ल क्ष्मि सर्व का म प्र दे सर्व
B01.12	ॐ ह्रीं श्रीं लक्ष्मि महालक्ष्मि सर्वकामप्रदे सर्व[-]

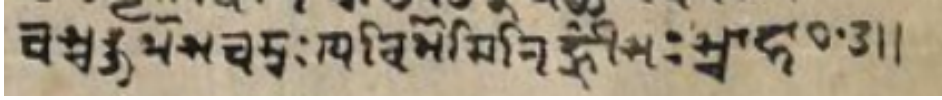
Notes	 → At the end of L01.11 and also at the end of lines found in the right margin and those lines are written as lines L01.11-P, L01.11-Q, L01.11-R .
-------	---

Sharada to Devanagari Transliteration

Manuscript	Shri Lakshmi Mantra, Sharada RSkt SJammu No38
------------	---

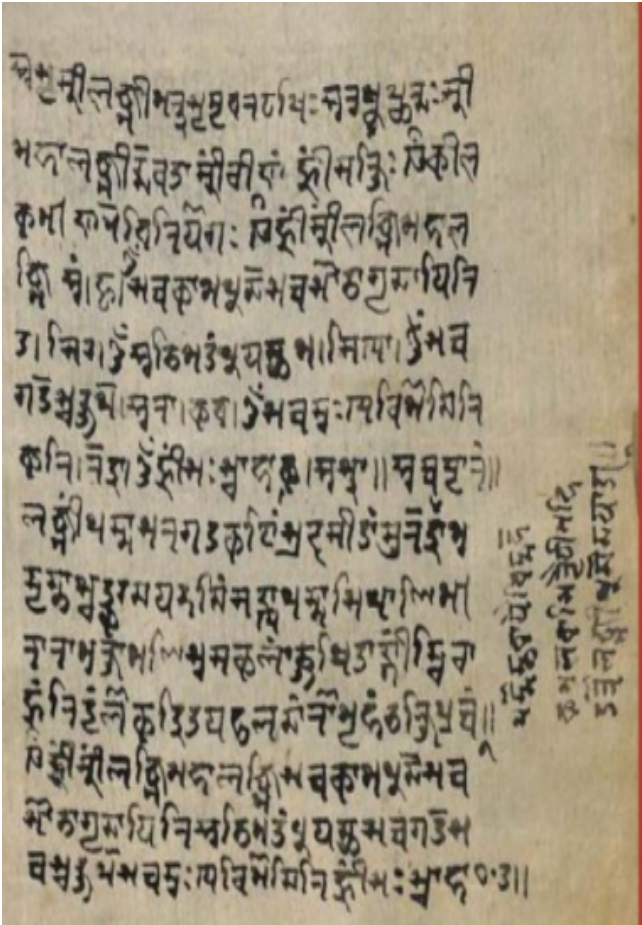
Date	9 th July 2020
------	---------------------------

L01.13	
A01.13	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18} सौ भा ग्य दा यि नि अ भि म तं प्र य च्छ स र्व ग ते स
B01.13	सौभाग्यदायिनि अभिमतं प्रयच्छ सर्वगते स[-]

L01.14	
A01.14	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17} र्व स्व रू पे स र्व दुः ख वि मो चि नि ह्रीं सः स्वा हा ॥ १०८ ॥
B01.14	र्वस्वरूपे सर्वदुःखविमोचिनि ह्रीं सः स्वाहा ॥ १०८ ॥

Notes	
-------	--

|| श्रीलक्ष्मीमन्त्रः ||



- 1 अस्य श्रीलक्ष्मीमन्त्रस्य च्यवनऋषिः अनुष्टुप्छन्दः श्री[-]
- 2 महालक्ष्मीदेवता श्री बीजं ही शक्तिः ॐ कील[-]
- 3 कम्(कं) जपे विनियोगः <||> ॐ ही श्री लक्ष्मि महाल[-]
- 4 क्ष्मि अं[गुष्ठाभ्यां नमः] | हृ[दयाय नमः] | ॐ सर्वकामप्रदे
सर्वसौभाग्यदायिनि
- 5 त[र्जनीभ्यां स्वाहा] | शिर[से स्वाहा] | ॐ अभिमतं प्रयच्छ
म[ध्यमाभ्यां वषट्] | शिखा[यै वषट्] | ॐ सर्व[-]
- 6 गते स्वरूपे | अना[मिकाभ्यां हूं] | कव[चाय हूं] | ॐ
सर्वदुःखविमोचिनि
- 7 कनि[ष्ठिकाभ्यां वौषट्] | नेत्रा[भ्यां वौषट्] | ॐ ही सः स्वाहा
क[रतलकरपृष्ठाभ्यां फट्] | अस्त्रा[य फट्] || अथ ध्यानं ||
- 8 लक्ष्मी पद्मासनगतकर्तिं सूर्यशीतांशुनेत्रां(त्रा)मु[-]
- 9 द्यद्वास्वत्करचयरुचिं शङ्खपद्मासिपाणिम्
- 10 नानामुक्तामणिसुशकलां भूषिताङ्गीं द्विबा[-]
- 11 हुं नित्यं लोकत्रितयफलदां नौम्यहं भक्तिपूर्व(र्वम्) || *
- 12 ॐ ही श्री लक्ष्मि महालक्ष्मि सर्वकामप्रदे सर्व[-]
- 13 सौभाग्यदायिनि अभिमतं प्रयच्छ सर्वगते स[-]
- 14 र्वस्वरूपे सर्वदुःखविमोचिनि ही सः स्वाहा || १०८ ||

* पद्मोद्भवायै विद्महे
कमलवासिन्यै धीमहि
तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात् ||

Sharada to Devanagari Transliteration

Manuscript

Shri Lakshmi Mantra, Sharada RSkt SJammu No38

Page 2

L02.01 to L02.04

Shri Laksmi Mantra


श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीः भद्रलक्ष्मीश्रीः
०:०:शुभ ॥०३॥ श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीः भद्र
लक्ष्मीश्रीश्रीः ०:०:शुभ ॥०३॥ ॥
गुरुतिउदम् ॥ शुभशुभ ॥

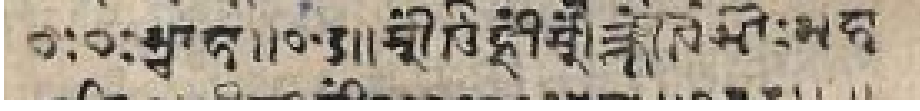
page 2


Sharada to Devanagari Transliteration

Manuscript	Shri Lakshmi Mantra, Sharada RSkt SJammu No38
------------	---

Date	8 th July 2020
------	---------------------------

L02.01	
A02.01	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16} ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं सौः महालक्ष्मि प्रसीद २ श्रीं ठः
B02.01	ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं सौः महालक्ष्मि प्रसीद २ श्रीं ठः

L02.02	
A02.02	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14} ठः ठः स्वाहा ॥ १०८ ॥ श्रीं ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं सौः महा
B02.02	ठः ठः स्वाहा ॥ १०८ ॥ श्रीं ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं सौः महा[-]

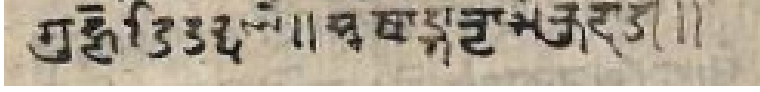
L02.03	
A02.03	^{1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13} लक्ष्मि प्रसीद २ श्रीं ठः ठः ठः स्वाहा ॥ १०८ ॥
B02.03	लक्ष्मि प्रसीद २ श्रीं ठः ठः ठः स्वाहा ॥ १०८ ॥

Notes	
-------	--

Sharada to Devanagari Transliteration

Manuscript	Shri Lakshmi Mantra, Sharada RSkt SJammu No38
------------	---

Date	8 th July 2020
------	---------------------------

L02.04	
A02.04	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 गु ह्ये ति त र्प णं ॥ अ था ङ्ग न्या सं कुर्या त् ॥
B02.04	गुह्येति तर्पणं ॥ अथाङ्गन्यासं कुर्यात् ॥

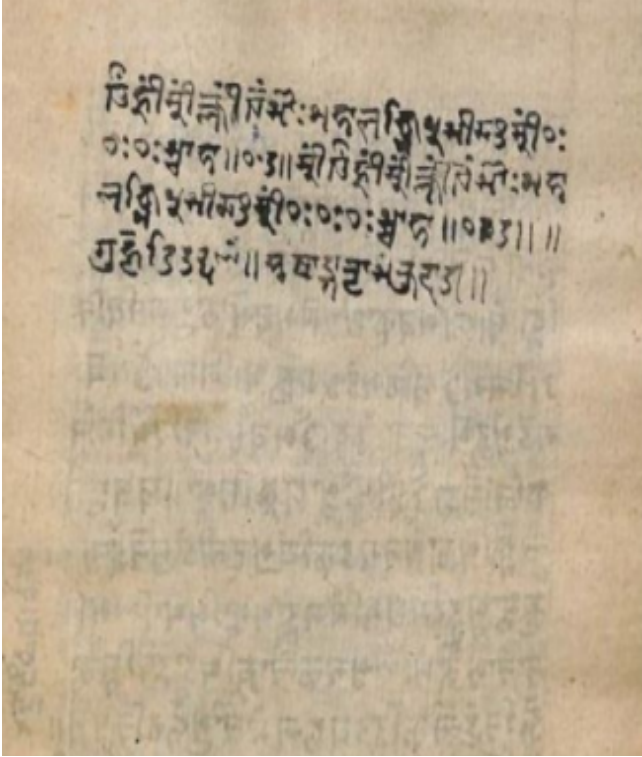
Notes	
-------	--

Sharada to Devanagari Transliteration

Manuscript

Shri Lakshmi Mantra, Sharada RSkt SJammu No38

॥ श्रीलक्ष्मीमन्त्रः ॥



- 1 ॐ ही श्री क्लीं ऐं सौः महालक्ष्मि प्रसीद २ श्रीं ठः
- 2 ठः ठः स्वाहा ॥ १०८ ॥ श्रीं ॐ ही श्री क्लीं ऐं सौः महा[-]
- 3 लक्ष्मि प्रसीद २ श्रीं ठः ठः ठः स्वाहा ॥ १०८ ॥
- 4 गुह्येति तर्पणं ॥ अथाङ्गन्यासं कुर्यात् ॥

Page 2

॥ शुभं ॥